बिक्री के लिए
टोपियां
एक लोककथा

"टोपियां ले-लो! टोपियां ले-लो! सिर्फ दस रुपये में एक! फेरीवाला चिल्लाया. वो बहुत सावधानी से आगे चला. उसे अपने सिर के ऊपर टोपियों के विशाल ढेर को संतुलित करके सड़क पर चलना था.

लेकिन एक दिन फेरीवाले ने शहर के बाहर जाकर एक पेड़ के नीचे एक झपकी ली. वो पेड़ के तने से सटकर बैठ गया और फिर सो गया. टोपियां अभी भी उसके सिर पर संतुलित थीं. जब वह सो रहा था, तब शरारती बंदरों के एक समूह ने उसकी हरेक टोपी चुरा ली. सिर्फ फेरीवाले की खुद की अपनी टोपी ही बची. जब वो उठा, तो टोपियां वापस पाने के उसने अनेकों प्रयास किए पर विफल रहा. अंत में जब वो बिल्कुल निराश हो गया तब उसे सफलता मिली.

इस क्लासिक कहानी को महान लोककथाओं की परंपरा में सुनाया गया है.
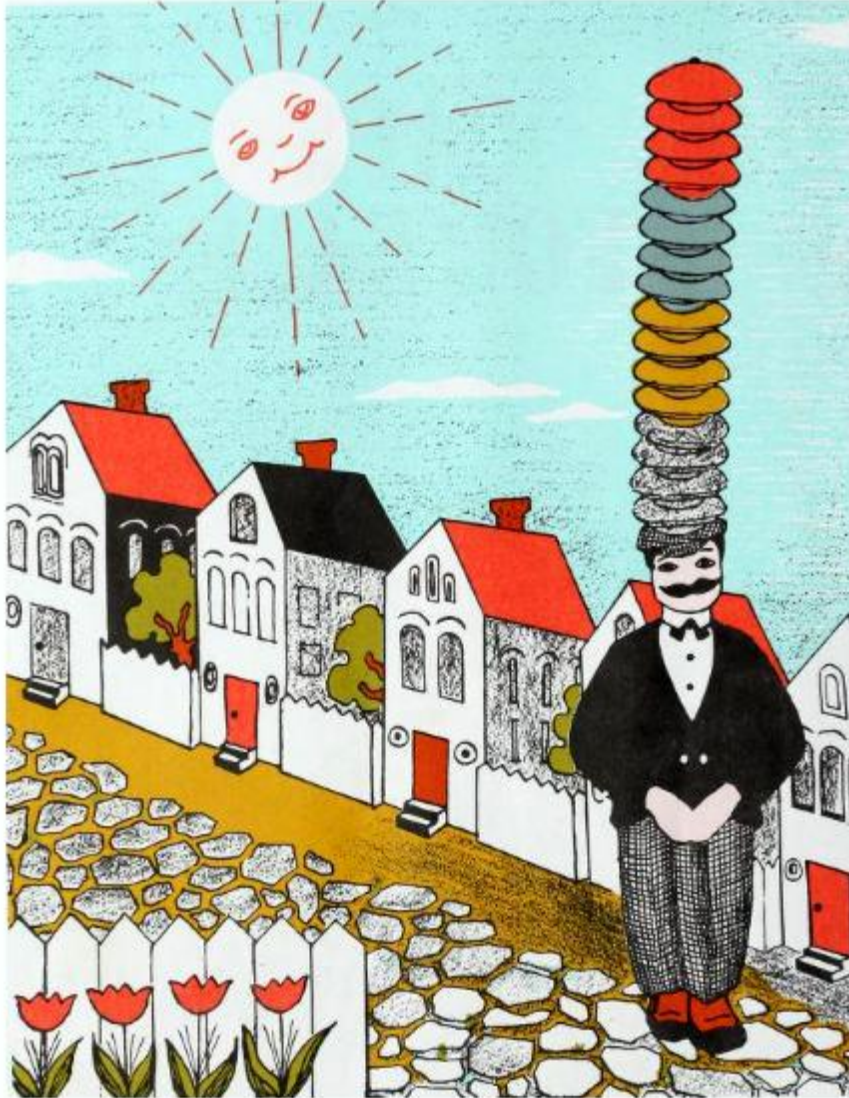
बिक्री के लिए टोपियां

एक लोककथा
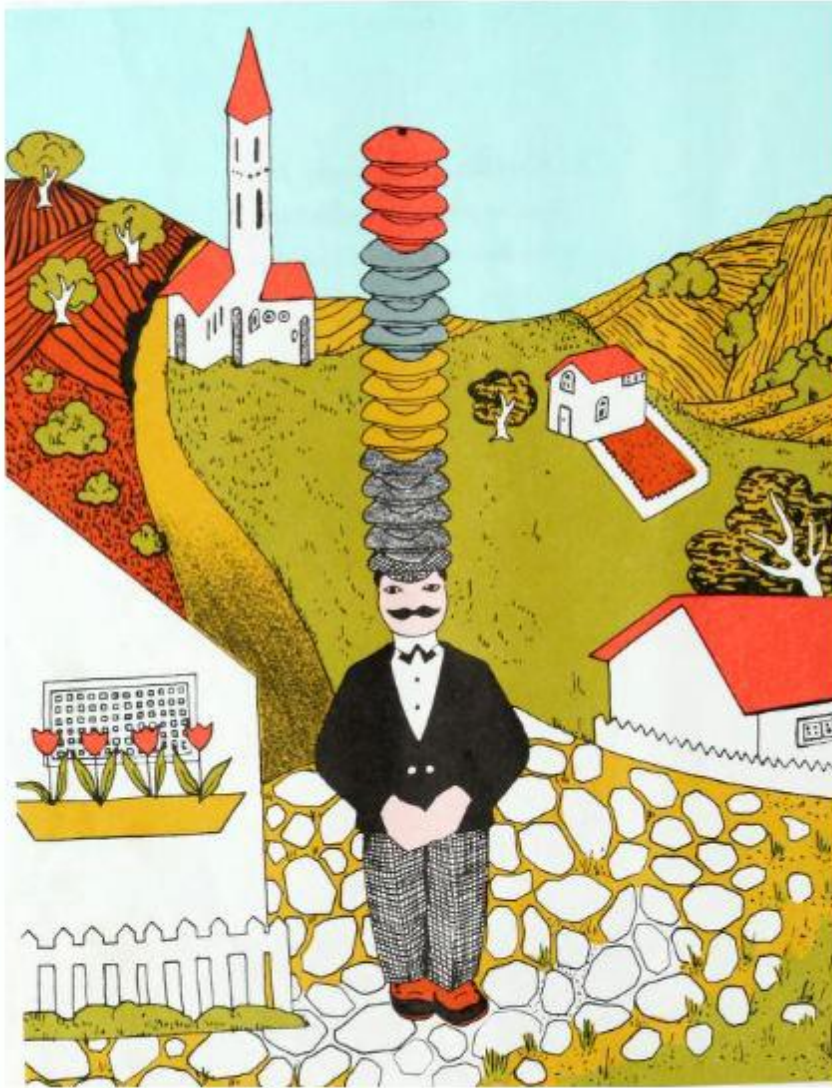
एक फेरीवाला था जो टोपियां बेंचता था.
पर वो कोई साधारण फेरीवाला नहीं था.
वो अपनी टोपियों को अपने
सिर पर लेकर चलता था.

सबसे पहले वो खुद की
चेक के डिज़ाइन वाली टोपी पहनता था.
उसके ऊपर कुछ सिलेटी टोपियां,
फिर कुछ भूरी टोपियां,
फिर कुछ नीली टोपियां,
और सबसे ऊपर
कुछ लाल टोपियां.
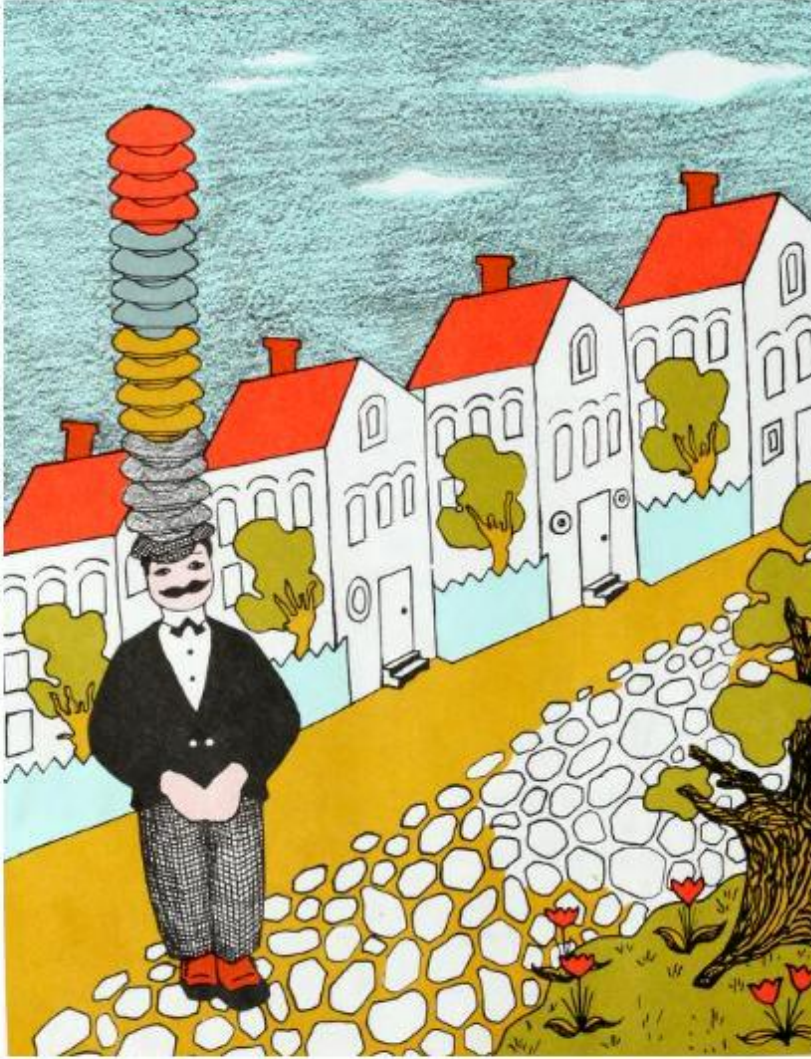
इस तरह वो सड़क
पर चलता था.
वो खुद को एकदम सीधा रखता था
जिससे टोपियां गिरें नहीं.

चलते-चलते वो चिल्लाता था,
"टोपियां ले-लो! टोपियां ले-लो!
सिर्फ दस रुपये में एक टोपी!
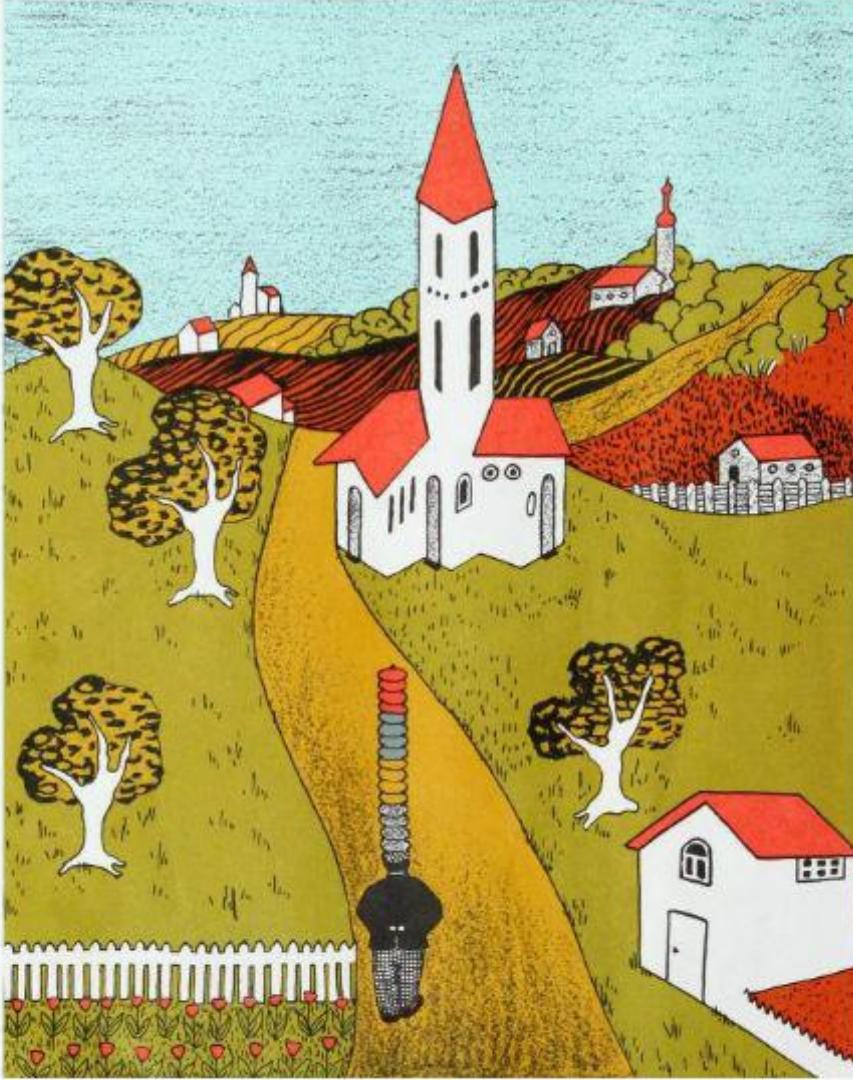
एक दिन उसकी कोई टोपी नहीं बिकी.
वो सड़क पर आगे गया.
फिर सड़क पर वापिस लौटा.
वो चिल्लाता रहा :
"टोपियां ले-लो! टोपियां ले-लो!
सिर्फ दस रुपये में एक टोपी!"

पर उस दिन शायद कोई भी
टोपी खरीदना नहीं चाहता था.
किसी को लाल टोपी तक नहीं चाहिए थी.
फेरीवाले को बहुत भूख लगी
उसके पास खाने के लिए पैसे तक न थे.

"मैं शहर के बाहर घूमने जाऊँगा," उसने कहा.
फिर वो शहर के बाहर गया.
वो धीमे-धीमे चला
जिससे टोपियां न गिरें.

वो बहुत देर तक चलता रहा.
अंत में उसे एक बड़ा पेड़ दिखाई दिया.
"यह आराम करने की अच्छी जगह है,"
उसने सोचा.

फिर वो धीरे से पेड़ के नीचे बैठा.
उसने अपनी पीठ को तने का सहारा दिया,
जिससे उसके सिर की टोपियां न गिरें.

फिर उसने हाथ से यह सुनिश्चित किया
कि टोपियां एकदम सीधी रहें.
पहले खुद की चेक के डिज़ाइन वाली टोपी
फिर सिलेटी टोपियां,
फिर भूरी टोपियां,
फिर नीली टोपियां,
और सबसे ऊपर
कुछ लाल टोपियां.
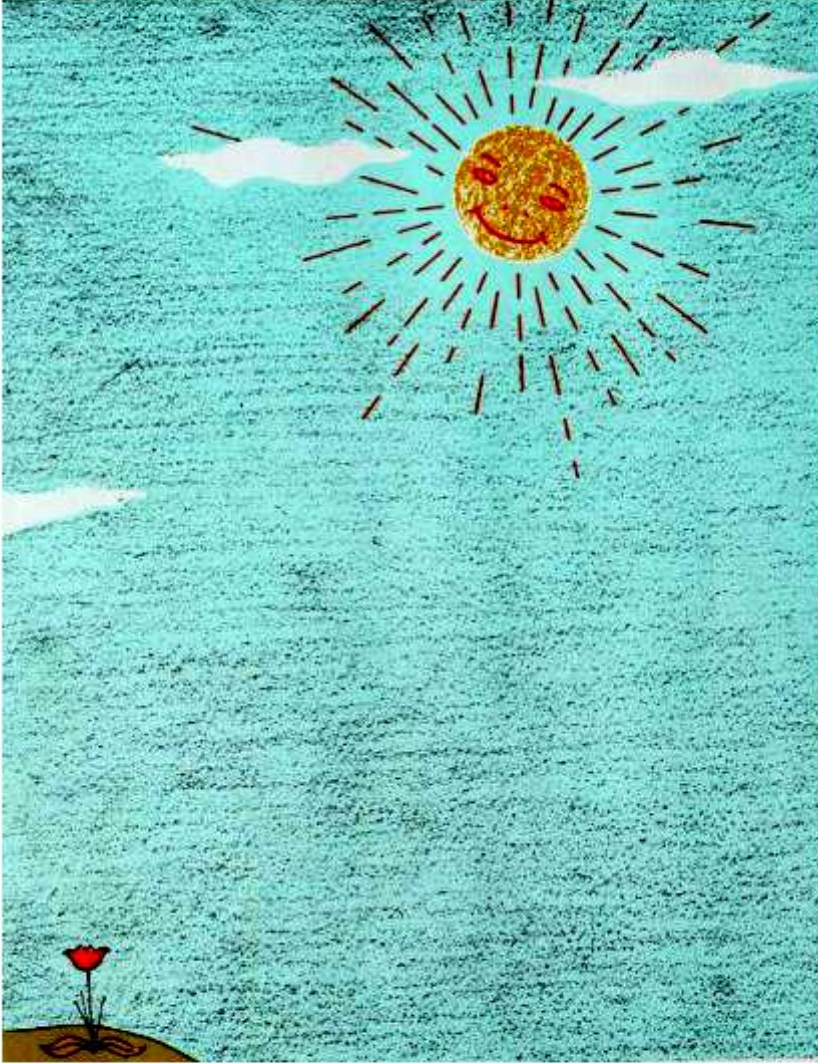
सब टोपियां ठीक थीं.

फिर वो सो गया.

वो बहुत देर तक सोता रहा.

सोकर उठने के बाद

उसे काफी अच्छा लगा.
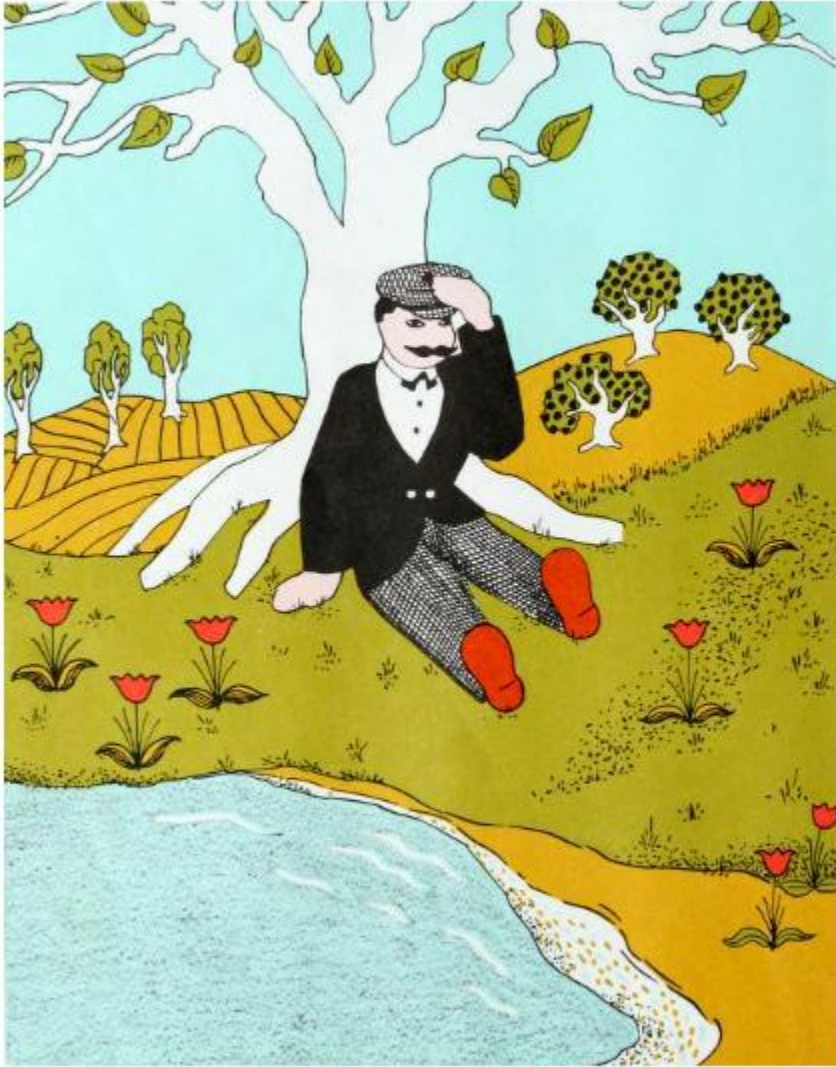
खड़े होने से पहले
उसने अपने हाथ से
टोपियों को छूकर देखा.

पर वो सिर्फ अपनी
चेक वाली टोपी ही छू पाया!

उसने अपने बाईं ओर देखा.
उसे कोई टोपी नहीं दिखी.

उसने अपने दाईं ओर देखा.
उसे कोई टोपी नहीं दिखी.

उसने अपने पीछे देखा.
उसे कोई टोपी नहीं दिखी.

फिर उसने पेड़ के पीछे देखा.
उसे कोई टोपी नहीं दिखी.

फिर उसने पेड़ पर ऊपर देखा.

फिर उसे क्या दिखा?

पेड़ की हरेक डाल पर एक-एक बन्दर बैठा था.

हरेक बन्दर के सिर पर सिलेटी, भूरी, नीली या लाल टोपी थी!

फेरीवाले ने बंदरों की तरफ देखा.

बंदरों ने फेरीवाले की ओर देखा.

उसे समझ में नहीं आया कि वो क्या करे.

अंत में उसने बंदरों से कुछ कहा.
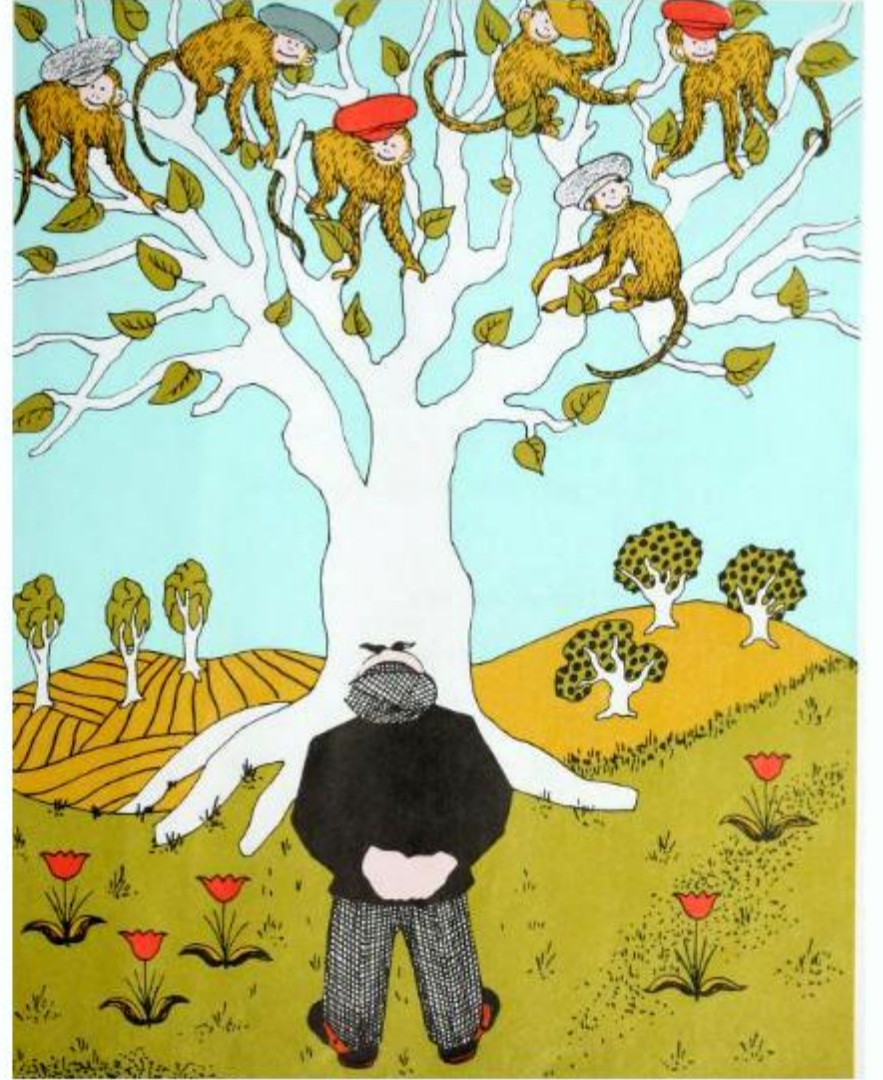
"शरारती बंदरों," उसने अपनी उंगली
बंदरों की ओर हिलाते हुए कहा,
"मेरी टोपियां मुझे वापिस दे दो."

फिर बंदरों ने भी फेरीवाले की ओर
अपनी उंगलियां हिलाते हुए कहा,
"हो! हो! हो! हो!"

उससे फेरीवाले को बहुत गुस्सा आया.
फिर उसने अपने दोनों हाथों की मुट्ठियां,
बंदरों की ओर हिलाईं,
"शरारती बंदरों, मेरी टोपियां मुझे वापिस दे दो."

फिर बंदरों ने भी फेरीवाले
की तरफ अपनी दोनों मुट्ठियां हिलाईं और कहा,
"हो! हो! हो! हो!"

तब फेरीवाले को बहुत गुस्सा आया.
उसने अपन एक पैर को ज़मीन पर पटका,
और कहा,
"शरारती बंदरों, मेरी टोपियां मुझे वापिस दे दो."

फिर बंदरों ने भी
अपना एक पैर ज़मीन पर पटका, और कहा,
"हो! हो! हो! हो!"

फिर फेरीवाले को बहुत ज़ोर का गुस्सा आया.
इस बार उसने अपने दोनों पैर
ज़मीन पर पटके, और कहा,
"देखो बंदरों, अब मुझे ज़्यादा परेशान मत करो.
अब मेरी टोपियां मुझे वापिस दे दो!"

पर बंदरों ने भी अपने दोनों पैर पटके, और कहा,
"हो! हो! हो! हो!"

अंत में फेरीवाले ने गुस्से में
अपनी टोपी उतारकर
ज़मीन पर फेंक दी
और फिर वो वहां से चलने लगा.

फिर हरेक बन्दर ने भी

अपने-अपने सिर की टोपी उतारी......

फिर सारी सिलेटी टोपियां,
सारी भूरी टोपियां,
सारी नीली टोपियां,
और सबसे ऊपर वाली
सारी लाल टोपियां
पेड़ से नीचे उड़ती हुई आईं.

उसके बाद फेरीवाले ने
सारी टोपियों को जल्दी-जल्दी उठाया
और उन्हें दुबारा अपने सिर पर रखा.

सबसे पहले उसने खुद की
चेक के डिज़ाइन वाली टोपी पहनी.
फिर कुछ सिलेटी टोपियां,
फिर कुछ भूरी टोपियां,
फिर कुछ नीली टोपियां,
और सबसे ऊपर
लाल टोपियां रखीं.
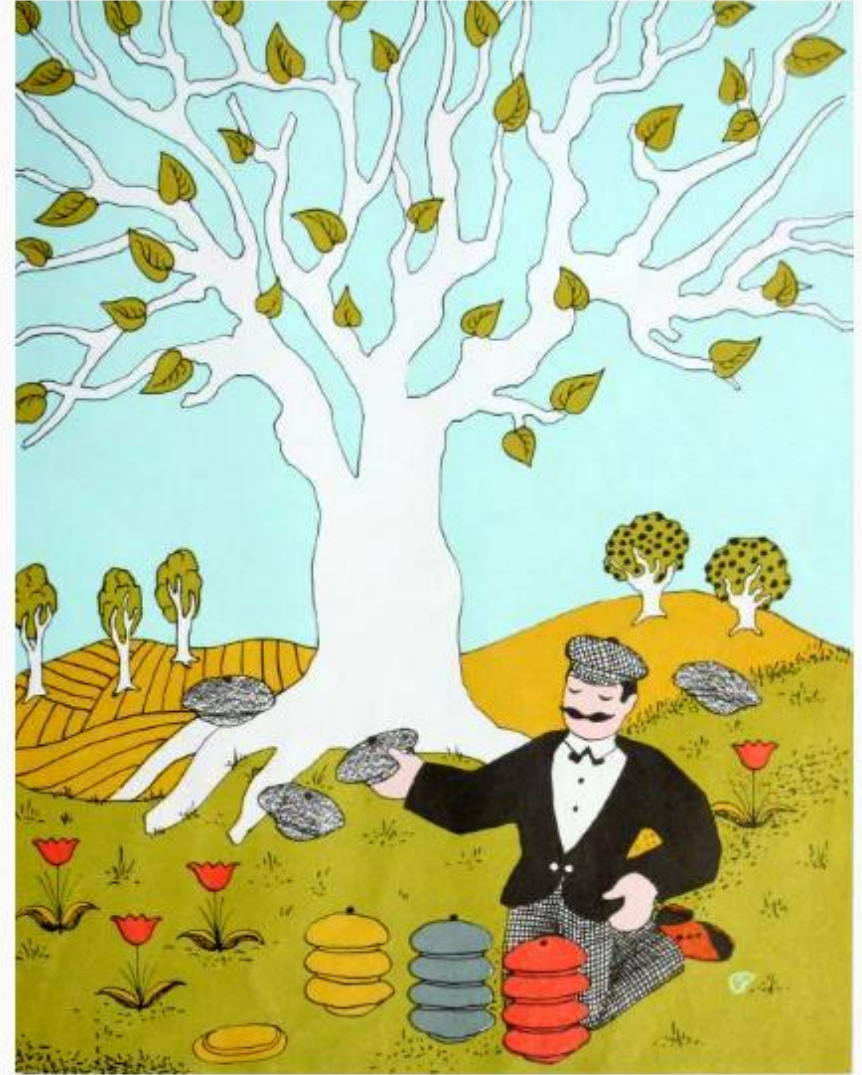
फिर फेरीवाला धीमे-धीमे
शहर की ओर चला.
चलते-चलते वो चिल्लाया,
"टोपियां ले-लो! टोपियां ले-लो!
सिर्फ दस रुपये में एक टोपी!

समाप्त